Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 12-05-2006
Participants : Gangwar Shri Santosh Kumar

Title: Regarding economic exploitation of farmers due to wheat import and procurement of wheat at low prices.

श्री संतोा गंगवार (बरेली) : सभापति जी, अभी हमारे भाई लक्ष्मण सिंह किसानों की चिन्ता कर रहे थे। वास्तव में वर्तमान यूपीए सरकार किसानों की हमदर्द नहीं है। मैं गेहूं की बात करना चाहूंगा। सरकार ने गेहूं का समर्थन मूल्य 650 रुपये रखा है और 50 रुपये इसमें इंसैन्टिव दिया है। दुर्भाग्य यह है कि हमारी सरकार 48 मिलियन टन गेहूं को आयात भी इसी साल कर रही है और वह करीब 950 रुपये के भाव पर कर रही है। निजी कंपनियां जो देश के अंदर खरीद कर रही हैं, वे 750 रुपये और 800 रुपये के भाव पर कर रही हैं। मैं चाहूंगा कि सरकार इस ओर ध्यान दे और किसानों को अधिकतम समर्थन मूल्य दे और विदेशों से आयात करने की नीति पर रोक लगाए, किसान को प्रोत्साहित करे और उसको सही लाभकारी मूल्य देने की दिशा में काम करे। मैं चाहता हूं कि सरकार को इस संबंध में एक वक्तव्य भी देना चाहिए कि किसानों के लिए 700 रुपये का भाव क्यों जबकि निजी कंपनिया हमारे देश के अंदर ही 750 और 800 रुपये के भाव पर गेहूं खरीद रही हैं।

MR. CHAIRMAN : Your subject is purely a State matter. This is not the forum to raise it. Your subject relates to the brutal killing of a wife and daughter of a late fireman in Uttar Pradesh and it cannot be discussed in the House. It is a State matter.

श्री मुंशी राम (बिजनौर) : सभापति जी, मुझे अपनी बात कहने दें। ...(व्यवधान) सभापति जी, उत्तर प्रदेश में अगर कोई बात वहां की पुलिस भी नहीं मान रही है ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: I cannot allow it. Nothing will go on record.

*(Interruptions) ...**

श्री मुंशी राम : जब वहां की पुलिस इतनी बेलगाम हो रही है कि हत्या जैसे मामले में भी कुछ नहीं कर रही है और एक परिवार में लगातार हत्याएं हो रही हैं। मैंने सीबीआई से जांच के लिए मांग की है। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: I cannot allow it. Nothing will go on record.

*(Interruptions) ...**

श्री लक्ष्मण सिंह : ये सीबीआई इनक्वायरी की मांग कर रहे हैं।

MR. CHAIRMAN: He can go and meet the hon. Home Minister about it and he will do whatever is necessary.

*(Interruptions) ... **

श्री मुंशी राम : मैं उनसे मिल चुका हूं लेकिन उस पर कार्रवाई न होने से एक परिवार में दो हत्याएँ हो गईं। अब पता नहीं कितनी और हत्याएं हो जाएंगी।

MR. CHAIRMAN: Please take your seat.

श्री मुंशी राम : सभापति जी, मैंने 2005 में शून्यकाल में एक मामला उठाया था। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: The hon. Speaker has taken a decision in this regard. It is not permissible as per rules. It is a State matter. If you want to raise it, you may kindly meet the hon. Speaker and take his permission. I cannot allow you.